सोमवार
13 जून 2022

पृष्ठ 4

लीची खाने से होते हैं ये कमाल के फायदे

पृष्ठ 5

थ्रिलर फिल्म गुमराह में मृणाल ठाकुर ने बदला अपना लुक

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 130
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

विद्वत्ता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है।
– हितोपदेश

नमाज के बाद पत्थरबाजी इस्लाम को बदनाम करने का षड्यंत्रः इमरान

विशेष संवाददाता

देहरादून। जुमे की नमाज के बाद हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी करने वालों की खबर अब इस्लाम को मानने और जानने वालों द्वारा ली जा रही है। उनके द्वारा इसे न सिर्फ इस्लाम को बदनाम करने की साजिश बताया जा रहा है बल्कि मुल्क में अराजकता फैलाने का षड्यंत्र करार दिया जा रहा है।

9 बार के एमपी रहे स्व. रशीद मसूद के पुत्र इमरान मसूद का कहना है कि नमाज के बाद पत्थरबाजी इस्लाम नहीं सिखाता है। नमाज में देश व समाज के अमन चैन व तरक्की की दुआ हम करते हैं। नमाज के बाद हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी इस्लाम को बदनाम करने का षड्यंत्र है। इससे पूर्व जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष सुहेब काजमी पहले ही जुमे की नमाज के बाद देशभर में हुई इन हिंसक घटनाओं को साजिश बताते हुए यह कह चुके हैं कि नादान बच्चों के हाथ में पत्थर थमाने वालों को यह समझने की जरूरत है कि वह

❑इबादतगाहों को सियासतगाह न बनने दें
❑कुवैत से प्रदर्शनकारियों का होगा देश निकाला

इस्लाम को बदनाम कर रहे हैं। उनका साफ कहना है कि नूपुर शर्मा ने जब माफी मांग ली तो उन्हें माफ कर दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि ओवैसी जैसे लोग अपने स्वार्थों के लिए युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। सोहेल काजमी के बाद सहारनपुर के मुस्लिम नेता इमरान मसूद का कहना है कि हम इस तरह की घटनाओं से दुनिया को क्या संदेश देना चाहते थे। उन्होंने कहा कि मंगलवार, बुधवार, वीरवार और फिर पत्थरवार इस तरह कि जो इमेज हम बना रहे हैं क्या वह ठीक है? उनका कहना है कि मैं उन तमाम युवाओं के मां-बाप से अपील करता हूं कि सोशल मीडिया पर इस्लाम के बारे में उन्हें जो पढ़ाया और समझाया जा रहा है वह ठीक नहीं है उनका कहना है कि इबादत गाहों को इबादतगाह ही रहने दो उन्हें सियासतगाह न बनाओ। साथ ही उन्होंने कहा कि वह बुलडोजर वाली कार्रवाई के भी खिलाफ है जिन्होंने गलत किया है उन्हें कानून सजा दे लेकिन निर्दोष लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 3 जून को कानपुर में जुमे की नमाज के बाद शुरू हुआ यह सिलसिला अभी लगातार जारी है बीते जुमे को उत्तर प्रदेश सहित तमाम राज्यों में व्यापक स्तर पर जुमे की नमाज के बाद सुनियोजित तरीके से रचे गए षड्यंत्र के तहत हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी की गयी।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

राहुल की ईडी के सामने पेशी के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। दस साल पुराने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी को भेजे गए समन के तहत आज राहुल गांधी ईडी के सामने पेश हुए। राहुल गांधी की ईडी के सामने पेशी के विरोध में आज दिल्ली से लेकर देहरादून तक कांग्रेसी नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि कांग्रेस, भाजपा और ईडी से डरने वाली नहीं है। देहरादून में ईडी दफ्तर पर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने उस समय हिरासत में ले लिया जब वह ईडी कार्यालय के गेट पर चढ़कर दफ्तर में जाने का प्रयास कर रहे थे।

❑पुलिस ने लिया हिरासत में
❑भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने

ईडी से मिले समन के बाद राहुल गांधी आज ईडी के कार्यालय पहुंचे जहां बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता उनके पीछे थे। वहीं देहरादून में कांग्रेसी नेताओं ने आज ईडी की इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हुए इसके विरोध में प्रदर्शन मार्च निकाला। ईडी कार्यालय पर 3 घंटे तक इन कांग्रेसी नेताओं ने जबरदस्त हंगामा किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के साथ नेता विपक्ष यशपाल

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

दुनिया देख रही है कैसे भ्रष्टाचार भी सत्याग्रह कर सकता हैः बीजेपी

नई दिल्ली । नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी की ईडी में पेशी को लेकर कांग्रेस मोदी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमलावर हो गई। वहीं राहुल को मिले नोटिस के खिलाफ पार्टी के हज़ारों कार्यकर्ता और नेताओं ने सत्याग्रह मार्च निकाला। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी के वरिष्ठ प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि दुनिया देख रही है कि कैसे भ्रष्टाचार भी सत्याग्रह कर सकता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने दुनिया को सच्चाई के लिए लड़ना सिखाया जबकि कांग्रेस ने दुनिया को भ्रष्टाचार का जश्न मनाने और उसके लिए लड़ने की शिक्षा दी। गांधी परिवार जमानत पर हैं यह राजनीतिक मामला नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी आज नेशनल हेराल्ड केस में बेल पर बाहर हैं और ये पूरा मामला कोर्ट में लंबित है। कोर्ट में कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने गुहार लगाई थी कि इस मामले को हटा लिया जाए लेकिन कोर्ट ने नहीं सुनी और आज जो भी कार्रवाई हो रही है वो संवैधानिक कार्रवाई है। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने राहुल गांधी को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने उन्हें समन जारी कर पेश होने के लिए कहा था। राहुल की पेशी को देखते हुए ईडी दफ्तर के बाहर भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया था।

देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 8,084 नए केस दर्ज, एक्टिव केस 48 हजार के करीब

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के दैनिक मामलों में तेजी आ रही है। जनवरी २०२२ में तीसरी लहर के बाद एक बार फिर चिंताजनक मामले दर्ज हो रहे हैं। बीते २४ घंटे में एक बार फिर कोरोना के ८ हजार से ज्यादा नए केस दर्ज हुए, जिसके बाद एक्टिव केस की संख्या बढ़कर ४७ हजार का आंकड़ा पार कर गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के ८,०८४ नए केस सामने आने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर ४,३२,३०,१०१ हो गया। इसके साथ ही कोविड के चलते १० और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या

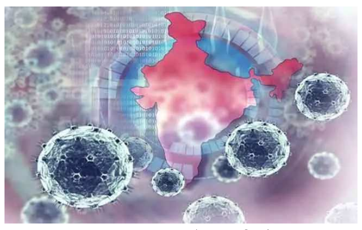

बढ़कर ५,२४,७७१ हो गई है।

देश में एक्टिव केस की संख्या बढ़कर ४७,९९५ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.११ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में एक्टिव केस की संख्या में ३,४८२ की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ९८.६८ प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, दैनिक संक्रमण दर ३.२४ प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर २.२१ प्रतिशत है।

देश में अभी तक कुल ४,२६,५७,३३५ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१९ मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१९ रोधी टीकों की १९५.१९ करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २९ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे।

संपादकीय

अराजकता का षड्यंत्र

कभी तीन तलाक तो कभी हिजाब, कभी सीएए तो कभी एनआरसी का विरोध। मुद्दा चाहिए बस उसके सही या गलत होने से कोई मतलब नहीं है। भाजपा को कैसे घेरना है कैसे यह सिद्ध करना है कि सरकार एक समुदाय विशेष को टारगेट कर रही है और शासन-प्रशासन द्वारा एक तरफा कार्रवाई की जा रही है कुछ राजनीतिक दल इस एजेंडे के जरिए अपनी सत्ता कायम करने की लड़ाई लड़ रहे हैं। ज्ञानवापी से लेकर नूपुर शर्मा के विवादित बयान तक विरोध का सिलसिला जारी है। जो अब पत्थरबाजी, हिंसा और आगजनी तक पहुंच चुका है। नूपुर शर्मा के विवादित बयान से पूर्व 3 जून को जुमे की नमाज के बाद जो हिंसा हुई उसके पीछे क्या कारण था? कब तक तो नूपुर शर्मा ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया था लेकिन बीते जुमे के दिन देश के कई राज्यों में जिस तरह की हिंसा और पत्थरबाजी की घटनाएं हुई क्या वह नूपुर शर्मा के माफी मांगने के बाद भी जरूरी थी? जेएनयू में जो देश विरोधी नारे लगा रहे हैं और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे गूंज रहे हैं क्या वह राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है? या जो सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक पोस्ट डाल रहे हैं वह गैरकानूनी और गलत नहीं है? सच यह है कि देश में कुछ ऐसे असामाजिक तत्व सक्रिय हैं जो देश के सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को खत्म करा कर अराजकता फैलाना चाहते हैं। एक साथ पूरे देश में शहर-शहर हुई पत्थरबाजी और विरोध प्रदर्शनों से यह साफ हो गया है कि देश के कुछ नेता और तथाकथित संगठन विदेशी ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर देश और समाज के खिलाफ यह जंग लड़ रहे हैं। चार दिन पूर्व जुमे की नमाज के बाद देशभर में इन्हीं लोगों द्वारा अराजकता फैलाने की कोशिश की गई। जो अभी भी जारी है। खास बात यह है कि शासन-प्रशासन द्वारा धैर्य और संयम से काम लिया जा रहा है। जिसके कारण स्थिति अभी तक नियंत्रण में है। यह ठीक है कि लोकतंत्र में असहमति जताने या विरोध प्रदर्शन का हक सभी को है लेकिन हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी के लिए कोई स्थान नहीं है और न इसे विरोध प्रदर्शन का नाम दिया जा सकता है क्योंकि यह अराजकता है, देशद्रोह और समाज द्रोह है तथा गैर कानूनी है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उपद्रव करने वाले, उपद्रव के लिए उकसाने वाले और उन्हें संरक्षण देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। यह बात इन अराजक तत्वों को आज नहीं तो कल जरूर समझ में आएगी। अगर कोई यह सोचे बैठा है कि वह राष्ट्र और समाज से भी बड़ा है तो यह उसका मुगालता ही कहा जा सकता है। उपद्रव से और हिंसा से कोई मसला हल नहीं हो सकता है इसका सिर्फ एकमात्र जरिया संवाद हो सकता है। जिन मुद्दों पर असहमति है उन पर बैठकर बात करने से हल संभव है। अन्यथा ऐसे लोगों के खिलाफ कानून तो अपना काम करेगा ही।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ज्वॉइंट सिविल मिलिट्री ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया

कार्यालय संवाददाता

मसूरी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में आयोजित ज्वॉइंट सिविल मिलिट्री ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में २८वें संयुक्त नागरिक–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नागरिक–सैन्य समन्वय महत्वपूर्ण है। हम सशस्त्र बलों में पूरी तरह से संयुक्तता स्थापित करेंगे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में ही रक्षा उपकरण तैयार किए जा रहे हैं और आने वाले समय में भारत को रक्षा उपकरण खरीदने के लिए दुनिया के दूसरे देशों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत कभी किसी देश के साथ युद्ध नहीं चाहता और आज तक भारत ने किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा नहीं किया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास करता है लेकिन, भारतीय सेना देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती है।

मुख्यमंत्री ने माधव सेवा विश्राम सदन का शिलान्यास किया

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज वीरभद्र मंदिर मार्ग, ऋषिकेश में भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा बनाए जा रहे "माधव सेवा विश्राम सदन" के भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रतिभाग एवं 'माधव सेवा विश्राम सदन' का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने माधव सेवा विश्राम सदन हेतु उत्तराखंड सरकार की ओर से 50 लाख रूपये की धनराशि दिए जाने की घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि योग नगरी ऋषिकेश में एम्स के कारण यह स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र भी है उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य के साथ ही उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्य के लोग भी ऋषिकेश इन समय अपने इलाज हेतु आते है। उन्होंने कहा माधव सेवा विश्राम सदन बनने से बड़ी संख्या में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के ठहरने खाने रहने जैसी तमाम सुविधाएं आसानी से मिलने लगेंगी। उन्होंने कहा कि सेवा सदन के बनने से परिजनों को होने वाली दिक्कते दूर होंगी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा की भारत माता की कोख से ऐसे अनगिनत लाल जन्मे हैं, जिन्होंने देश हित में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। भाऊराव देवरस जी ने अपने जीवन का एक-एक क्षण राष्ट्र के लिए जिया एवं धरती मां को समर्पित किया। उन्होने बताया वर्ष 1937 (20 वर्ष की उम्र में) डाक्टर साहब की संघ विस्तार की योजना के अंतर्गत भाऊराव जी नागपुर से सुदुर उत्तर प्रदेश के लखनऊ आ गए। स्वतंत्रता के पांच वर्ष पश्चात 1952 में शिशुमंदिर योजना आरम्भ करने के पीछे जो उनका सपना था उसका क्रियान्वयन उत्तर प्रदेश के गोरखपुर केंद्र से रहा। उनका मानना था कि 'किसी राष्ट्र का भविष्य उस राष्ट्र के सामान्य जन ही होते हैं, इसलिए शिक्षा का निर्माण देश के सामान्य जनों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होने कहा आदरणीय भाऊ राव जी ने

वस्तुतः बीज बनकर स्वयं को त्यागकर समाजरूपी पेड़ को पुष्पित और पल्लवित

❑माधव सेवा विश्राम सदन के लिए सरकार की ओर से 50 लाख की धनराशि दिए जाने की घोषणा की

करने का कार्य किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने विद्यार्थी जीवन को याद करते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय में बना भाऊराव देवरस द्वार हमारे लिए सेवा एवं प्रेरणा का प्रतीक था। उन्होंने कहा एक छात्र के नाते मेरे सामाजिक जीवन में हीरो एवं आदर्श भाऊराव जी रहे। उनके नाम पर रखे गए विश्राम सदन का शिलान्यास करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुझे पूर्ण विश्वास है की इसका उद्घाटन भी शीघ्र होगा। उन्होंने माधव सेवा विश्राम सदन हेतु हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए उसे गरीबों की सेवा का सदन एवं गैर व्यवसायिक सदन बताया। उन्होंने, सेवा परमो धर्म के सिद्धांत को आगे बढ़ाने के लिए माधव सेवा न्यास से जुड़े प्रत्येक स्वयंसेवक को नमन किया।

ईयुरर्थो न न्यर्थं परुष्णीमाशुश्चनेदभिपित्वं जगाम।
सुदास इन्द्रः सुतुकाँ अमित्रानरन्धयन्मानुषे वध्रिवाचः।।

(ऋग्वेद ७–१८–९)

हम सत्य धन और समृद्धि को प्राप्त करें। हम तेजी से जीवन की भंवर की ओर बढ़े और उसको प्राप्त करें जो प्राप्त करना चाहिए। परमेश्वर अपने उपासकों को रक्षण और उन्नति प्रदान करता है और दुष्टों का नाश करता है।

May we attain true wealth and prosperity. We move swiftly into the whirlpool of life and achieve what we ought to achieve. God provides protection and progress to his devotees and destroys the wicked.

(Rig Veda 7-18-9)

पहाड़ों की वास्तविक सुंदरता बनी रहे इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत हैः सीएस

मुक्तेश्वर (कासं)। मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु ने जनपद नैनीताल भ्रमण के दौरान विकासखंड रामगढ के अंतर्गत मुक्तेश्वर पहुंचकर मुक्तेश्वर मे विभिन्न विकास योजनाऑ के अन्तर्गत किए जा रहे कार्य का स्थलीय निरीक्षण एव परीक्षण करते हुए अधिकारियो को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि पूरे उत्तराखंड में मुक्तेश्वर क्षेत्र पर्यटन के रूप में उभर कर आ रहा है मुक्तेश्वर मे पर्यटन की आपार संभावना है , पहाड सलम ना हो, पहाड़ों की वास्तविक सुंदरता बनी रहे इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, संबंधित अधिकारी इस ओर विशेष ध्यान दें,इस दौरान उन्होने चीज फैक्ट्री का अवलोकन किया,चीज फैक्ट्री के मालिक वीरेंद्र चौहान ने सचिव महोदय को चीज की विशेषता गुणवत्ता स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध, लाभ की विस्तृत रूप से जानकारी दी । इसके अलावा दीयो दी ऑर्गेनिक विलेज रिजॉर्ट मुक्तेश्वर के संचालक प्रवीण शर्मा ने मुख्य सचिव महोदय को क्षेत्र की अनेक समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि क्षेत्र में जिस तरह से अवैध निर्माण किए जा रहे हैं उसे रोकने की अति आवश्यक है ताकि क्षेत्र की जो सुन्दरता बनी रहे।, उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण से सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है, शर्मा जी ने क्षेत्र में सड़क, पेयजल, पार्किंग अन्य की विस्तृत रूप से जानकारी दी। मुख्य सचिव ने श्री शर्मा को क्षेत्र की समस्याओं की सूची जिलाधिकारी को उपलब्ध कराने को कह। ताकि उन समस्याओं पर का समाधान किया जा सके। क्षेत्र में पर्यटन की आपार संभावना को देखते हुए मास्टर प्लान के तहत कार्य किया जा सके। जिलाधिकारी श्री धीराज सिंह गब्याल ने मुख्य सचिव को विस्तृत रूप से क्षेत्र की जानकारी दी उन्होंने कहा कि जनपद में १०० से अधिक प्लांटेशन के कार्य चल रहे है।

उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्र में और अधिक प्लांटेशन के निर्देश दिए गए हैं ताकि क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल सके और पलायन को रोका जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रतीक जैन, सचिव विकास प्राधिकरण पंकज उपाध्याय उप जिलाधिकारी योगेश मेहरा, सीओ प्रमोद कुमार, तहसीलदार तानिया रजवार जिला पर्यटन अधिकारी विजेंद्र पांडे, होटल ऐसोशिऐशन के पदाधिकारी नागेंद्र अग्रवाल , विक्रम , सुदर्शन शाही, दीपक, प्रवीण शर्मा,गोरव के साथ ही अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किसान मजदूर संगठन की आमसभा बेलवाला ग्राउंड में आयोजित

नगर संवाददाता

हरिद्वार। किसान मजदूर संगठन के संयोजक गुलशन चौधरी द्वारा आयोजित वार्षिक आमसभा बेलवाला ग्राउंड में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रुप से उत्तराखंड सरकार से मांग की गई बेल वाला ग्राउंड में प्रतिवर्ष किसान कुंभ का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश के कोने-कोने के किसान संगठन अपने किसान भाइयों के साथ धर्मनगरी हरिद्वार में आगमन कर अपने संगठनों के विचारों के आदान-प्रदान कर किसान विकास पर परिचर्चा के साथ माँ गंगा की पूजा अर्चना स्नान ध्यान कर पुण्य अर्जित कर देश में खुशहाली की कामना करते चले आ रहे हैं। भारी तादाद में किसानों के आगमन के दृष्टिगत उत्तराखंड सरकार द्वारा बेल वाला ग्राउंड में किसान भवन का निर्माण किए जाने की मांग को प्रमुखता से उठाया गया।

मजदूर किसान संगठन की आम सभा में पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने समर्थन करते हुए कहा के पूर्व में मंडी अध्यक्ष रहते हुए हरिद्वार कृषि उत्पादन मंडी समिति में दूरदराज से आने वाले किसान भाइयों की सुविधा के लिए किसान भवन का निर्माण किया गया था और किसान संगठनों के प्रस्ताव पर लालढांग और औरंगाबाद उप मंडी बनाए जाने की कवायत शुरू की गई थी लेकिन वर्ष 2017 के उपरांत कृषि विपणन बोर्ड रुद्रपुर द्वारा कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ाया गया, इसीलिए लालढांग और औरंगाबाद दोनों उप मंडी स्थल में स्थान चिन्हित होने के उपरांत भी उप मंडी नहीं बनाई गई जोकि गंभीर विषय है। उन्होंने यह भी कहा 8 जून से 15 जून तक देश के कोने- कोने के किसान भाई रोड़ी बेलवाला, अलकनंदा घाट, विष्णु घाट, बेल वाला इत्यादि क्षेत्रों में अपने-अपने संगठनों के माध्यम से वार्षिक आयोजन कर संगठन की मजबूती के लिए विचारों के आदान-प्रदान करते चले आ रहे हैं ऐसे में किसानों की सुविध ा व ठहराव के लिए राज्य सरकार की ओर से बेल वाला ग्राउंड में किसान भवन बनाया जाना न्याय पूर्ण होगा। किसान मजदूर संगठन की वार्षिक आम सभा को संबोधित करने में जितेंद्र कुमार सोलंकी, नरेश चौधरी, मनोज कुमार, सरदार अमरजीत सिंह, सुखपाल सिंह कश्यप, राजेंद्र पाल, अमरीश तोमर, तरुण चौहान, विशंभर सिंह, वीरेंद्र आदि प्रमुख थे।

बालाजी सेवा समिति इस वर्ष कराएगी 51 निर्धन कन्याओं का विवाह

संवाददाता

देहरादून। श्री श्री बालाजी सेवा समिति के अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष समिति 51 निर्धन कन्याओं का विवाह करायेगी।

आज यहां श्री श्री बालाजी सेवा समिति वार्षिक कार्यकारिणी सदस्य की विशेष बैठक मे समिति के अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल जी द्वारा नए सेवादारो को पटका पहनाकर उनका सम्मान किया। समिति के उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता ने समिति के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर समिति द्वारा पिछले 10वर्षो में किए गए अनेकों ऐतिहासिक जनहित के कार्यो के बारे मे विस्तार से बताया। सचिन गुप्ता ने बताया कि समिति 198 निर्धन कन्याओं का विवाह,कोविड काल में रोजाना बस्तियों मे 3000 भोजन पैकेट वितरण(लगभग 3 लाख पैकेट),कच्चा राशन वितरण,गरीब कन्याओं की पढ़ाई हेतु फीस की व्यवस्था करना, पशुओं को हरा चारा वितरण, पिछले तीन वर्षो से रायपुर स्थित गौशाला मे प्रत्येक हफ्ते गौ माता की विशेष फल आहार से सेवा करना आदि अनेक कार्य करा चुकी है व आगे भी ये कार्य निरंतर जारी रहेंग। समिति के अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल जी बताया की इस वर्ष समिति 51 निर्धन कन्याओं का विवाह धूम धाम से कराएगी। इस अवसर समिति के संरक्षक दिनेश सी गोयल कुलभूषण अग्रवाल, सुनील अग्रवाल,सचिव मनोज खण्डेलवाल, पंकज गुप्ता, मनोज गोयल, मनमोहन लखेड़ा, ऋषभ अग्रवाल, श्रीमती कविता अग्रवाल,श्रीमती सविता वर्मा,श्रीमती ममता गर्ग आदि सदस्य उपस्थित रहे।

14 जून का रक्तदाताओं व गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं को किया जायेगा सम्मानित

नगर संवाददाता

देहरादून। 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 'पर्ल चौरिटेबल सोसाइटी' के ब्लड फ्रेंड्स द्वारा समाज सेवा के अन्य क्षेत्रों में कार्यरत लगभग 100 रक्तदाताओं, 40 गैर सरकारी संगठनों, 125 कार्यकर्ताओं/स्वयंसेवकों को सम्मानित करने के लिए मानवता पुरस्कार समारोह का आयोजन होटल वॉयसरॉय इन सहारनपुर रोड देहरादून में कल सुबह 11 बजे किया जा रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान इस बात की जानकारी ब्लड फ्रेंड्स के संस्थापक सुमित गर्ग द्वारा दी गयी। उन्होने बताया कि ब्लड फ्रेंड्स की स्थापना अक्टूबर 2016 में 'पर्ल चौरिटेबल सोसाइटी' के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य आपातकाल के समय तुरंत जीवित रक्तदाता प्रदान करना है और यह पूरे भारत में रक्त उपलब्ध कराने में अग्रणी संगठन है। उन्होने बताया कि अभी तक ब्लड फ्रेंड्स द्वारा कई लोगो को रक्तदाता उपलब्ध करवा चुका है।

उन्होने कहा कि फैक्ट्रियों में खून नहीं बनाया जा सकता, यह केवल उदार रक्तदाताओं से ही आ सकता है। इन मांगों को पूरा करने के लिए ब्लड फ्रेंड्स एक परियोजना है जिसे रक्त की कमी की समस्या को हल करने के उद्देश्य के साथ शुरू किया गया। उन्होने कहा कि हमारा उद्देश्य एक ऑनलाइन केंद्रीकृत वेब समाधान प्रदान करना है जहां ब्लड बैंक, अस्पताल और जरूरतमंद अपने आस-पास के क्षेत्र में रक्तदाताओं की तलाश कर सकते हैं और जो जल्दी उपलब्ध हो। उन्होने बताया कि पहले चरण में हम 'ब्लड फ्रेंड्स' का संचालन उत्तराखंड में ही कर रहे हैं।

उन्होंने कल होने वाले सम्मान कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी यतिश्वरंद, कैलाश पंत, कैलाश गहतोड़ी और देहरादून के जिला मजिस्ट्रेट आर राजेश कुमार होगें और उनके द्वारा गैर सरकारी संगठनों, कार्यकर्ताओं/स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जायेगा। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन होटल वॉयसरॉय इन, सहारनपुर रोड देहरादून में कल सुबह 11 बजे से शुरू होगा। आज की प्रेस वार्ता में पर्ल चौरिटेबल सोसाइटी के सुमित गर्ग, लस्कर, मेघा, रोहिणी और पर्ल चौरिटेबल सोसाइटी के सदस्य भी उपस्थित रहे।

नाबालिग से छेड़छाड करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग से छेडछाड करने व विरोध करने पर मां बाप के साथ मारपीट करने पर पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डिफेंस कालोनी निवासी महिला ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी घर के पास ही खेल रही थी तभी उनके पडोस मे रहने वाला शेखर सिह वहां पर आया और उसकी बच्ची के साथ गलत हरकते करने लगा जब उसने देखा तो उसका विरोध किया तो उक्त व्यक्ति द्वारा उसके व उसके पति के साथ मारपीट गाली गलौच शुरू कर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्रदेश की ज्वलंत मुद्दों पर केंद्रित हो बजटः जोशी

नगर संवाददाता

देहरादून। सामाजिक सरोकारों से जुड़े चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय प्रवक्ता महेश जोशी ने कहा कि सरकार द्वारा आगामी बजट सत्र के दौरान पेश होने वाले बजट सत्र में प्रदेश की मूल भावना यहां के ज्वलंत मुद्दों को तवज्जो दी जानी चाहिए। रोजगार एवम स्वरोजगार को लेकर बजट में प्रावधान होने चाहिए। ऊर्जा संकट से जूझ रहे प्रदेश को छोटी-छोटी विद्युत परियोजना के माध्यम से सौर ऊर्जा से बेहतर विकल्प को बढ़ावा देना चाहिए।

❑ग्रीष्मकालीन राजधानी के प्रति सरकार गंभीर नहीं

उन्होने कहा कि कृषि एवम बागवानी के क्षेत्र में , महिला सशक्तिकरण के माध्यम से स्वरोजगार ,पलायन की दंश झेलता प्रदेश को बेहतर सुविधाएं आवागमन के साधनों को बढ़ावा देने को लिंक मार्गो को देहरादून से जोड़ना स्वास्थ्य शिक्षा की बदहाल हालत में सुधार के साथ ही मूलभूत आवश्यकताओं पर बजट होना चाहिए। साथ ही संसाधनों के माध्यम से आय के साधनों में वृद्धि जिससे वित्तीय घाटे पर नियंत्रण करके आत्मनिर्भर हो।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रीष्म कालीन राजधानी गैरसैंण के प्रति गंभीर नही है जो आधी अधूरी तैयारी करके सत्र से हाथ पीछे खींच कर चार धाम यात्रा का बहाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में राजधानी गैरसैंण को गंभीरता से लेते हुए बजट में प्रावधान होने चाहिए जिससे राजधानी गैरसैंण का सपना साकार हो सके।

शिविर में तीन दर्जन लोगों का हुआ मोतियाबिंद का आपरेशन

कार्यालय संवाददाता

बेरीनाग। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेरीनाग में सीमांत सेवा फाउंडेशन के द्वारा सीएचसी बेरीनाग में सामाजिक कार्यकर्ता जीवन पंत ने अपने वैवाहिक जीवन के १६ वर्ष पूरे होने पर निशुल्क मोतियाबिंद शिविर में दूसरे दिन तीन वृद्धों के आंखों का मोतियाबिंद का आपरेशन किया निशुल्क लैंस और दवाओ वितरण किया गया। डां आदित्य अग्रवाल के द्वारा आंखो का आपरेशन किया गया। इस मौके पर डाक्टर अग्रवाल ने आंखों की सुरक्षा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी ।प्रभारी चिकित्साधिकारी डां सिद्धार्थ पाटनी ने बताया की दो दिनों तक चले शिविर में २०० से अधिक लोगों का आंखों का

परीक्षण करने के साथ निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस मौके पर डां संदीप, डां देवेश, सामाजिक कार्यकर्ता रश्मि पंत, अमित पांडे, अनिकेत मिश्रा, अंजना सिंह, सुरेश भट्ट,पैंजी सिंह, धीरज जोशी, दीपक रावत, धीरज जोशी सहित आदि मौजूद थे।

आंखों के परीक्षण के लिए गंगोलीहाट, गणाई गंगोली, थल, पांखू आदि क्षेत्रों से लोग पहुंच थे। उधर विभिन्न संगठनों ने सामाजिक कार्यकर्ता जीवन पंत पंत जय गुरु के द्वारा निशुल्क शिविर का आयोजन करने पर आभार जताया।

पंजाब में बिगड़ते हालात

अगर यह हाल में अकेली ऐसी घटना होती, तो इसे महज एक बुरा संयोग मान कर सरकार को संदेह का लाभ दिया जा सकता था। लेकिन हकीकत यह है कि जब से भगवंत मान सरकार सत्ता में आई है, पंजाब में एक नई किस्म की अफरातफरी देखने को मिल रही है।

पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिदधू उर्फ सिद्धू मूसे वाला की हत्या से पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को कठघरे में खड़ा करने के पर्याप्त तर्क हैँ। अगर यह हाल में अकेली ऐसी घटना होती, तो इसे महज एक बुरा संयोग मान कर सरकार को संदेह का लाभ दिया जा सकता था। लेकिन हकीकत यह है कि जब से भगवंत मान सरकार सत्ता में आई है, पंजाब में एक नई किस्म की अफरातफरी देखने को मिल रही है। ऐसा लगता है कि वहां सारी व्यवस्था ढहती जा रही है। सड़कों पर खुलेआम खालिस्तान के पक्ष में नारे लगाने और कथित खालिस्तान के समर्थकों और विरोधियों में खुल कर हिंसक टकराव होना इस स्थिति का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष आम प्रशासन में गिरावट के रूप में देखने को मिल रहा है। मूसे वाला के मामले में सरकार इसलिए सवालों के घेरे में है, क्योंकि उसने उन्हें पहले से मिली सुरक्षा को हटाने का फैसला किया। उसका जो नतीजा हुआ, उससे जाहिर है कि सरकार के सुरक्षा आकलन की क्षमता या इसका सिस्टम बेहद लचर है।

मशहूर लोगों को सरकारी सुरक्षा मिलनी चाहिए या नहीं, यह दीगर बहस का मुद्दा है। अगर यह नहीं मिलनी चाहिए, तो फिर देश के सबसे बड़े उद्योगपति से लेकर ऊंचे पदों पर बैठे राजनेता तक से इसे वापस लिया जाना चाहिए। लेकिन आम आदमी की राजनीति के नाम पर राजनीतिक गणनाओं के तहत इसे किसी को देना और किसी से वापस लेना- तार्किक नहीं है। इसे दरअसल, दुर्भावना का परिणाम भी समझा जाएगा। देश का एक तबका कभी मानता था कि आम आदमी पार्टी कुछ नई शुरुआत करने के लिए सियासी पटल पर आई है। वह वीआईपी कल्चर को खत्म करना चाहती है। लेकिन पार्टी के व्यवहार और उसके अपने नेताओं ने जिस कल्चर को अपनाया, उसे देखने के बाद अब शायद ही किसी निष्पक्ष व्यक्ति की ऐसी राय होगी। तो प्रश्न है कि वीआईपी के नाम पर सिर्फ सिद्धू जैसे व्यक्तियों की जान को क्यों खतरे में डाला गया है? लोग ये सवाल भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल से जरूर पूछेंगे। (आरएनएस)

निदान तो सही है

कहा जाता है कि किसी रोग के इलाज की सही शुरुआत तब होती है, जब उसका सही निदान हो जाए। अमेरिका ने फिलहाल चीन के माम्ले में यह पहला काम कर लिया है। अमेरिका ने अपनी विदेश नीति संबंधी चुनौती का सही निदान किया है। उसे इस बात का भी श्रेय दिया जाएगा कि ऐसा करते हुए ना तो उसने अपनी कमजोरियों को छिपाया है, और ना ही अपने मुख्य प्रतिस्पर्धी की खूबियों पर परदा डालने की कोशिश की है। उसने यह दो टूक कहा है कि चीन उसके लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। ये बात जो बाइडेन प्रशासन की नई चीन नीति में कही गई है। इस नीति की व्याख्या विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बीते हफ्ते एक भाषण के दौरान की। ब्लिकन ने साफकहा- च्चीन अकेला देश है, जिसके पास जिसके पास मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का इरादा और शक्ति है। उसकी ये शक्ति आर्थिक, कूटनीतिक, सैनिक और तकनीकी क्षेत्र में लगातार बढ़ रही हैज् इस चुनौती का महत्त्व बताते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यूक्रेन युद्ध अमेरिका की केवल तात्कालिक चिंता है। इसीलिए अभी भी जबकि यह युद्ध जारी है, अमेरिका अपना ध्यान अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए सबसे गंभीर दीर्घकालिक चुनौती यानी चीन पर ही केंद्रित रख रहा है। तो प्रश्न है कि इस चनौती का अमेरिका मुकाबला कैसे करेगा।

ब्लिंकन ने इसके तीन सूत्र बताए। उन्होंने कहा- च्दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के प्रति बाइडेन प्रशासन की नीति इन तीन शब्दों में निहित हैरू निवेश, सहयोग, और प्रतिस्पर्धाज् मतलब यह कि अमेरिका अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाएगा, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के लिए अपने मित्र देशों के साथ सहयोग और मजबूत करेगा, और इन उपायों के जरिए चीन की प्रतिस्पर्धा के लिए खुद को तैयार करेगा। यह इरादा ठीक है। लेकिन इस बिंदु पर यह जरूर कहा जाएगा कि इस इरादे को जमीन पर उतारना भी उतनी ही बड़ी चुनौतीपूर्ण है, जितना चीन अब अमेरिका के लिए बन गया है। बहरहाल, कहा जा सकता है कि अमेरिका ने रोग का सही निदान कर लिया है। आगे उसने स्पष्ट किया है कि अमेरिका टकराव या नए शीत युद्ध की शुरुआत नहीं चाहता। वह महाशक्ति के रूप में चीन की भूमिका को रोकना नहीं चाहता। अमेरिका सिर्फयह चाहता है कि वह चीन से पिछड़ता ना चला जाए।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लीची खाने से होते हैं ये कमाल के फायदे

लीची गर्मियों का सबसे पसंदीदा फल है। स्वाद और फ्लेवर ही नहीं लीची में आपको सेहत का खजाना भी मिलता है। गर्मियों में आने वाले ज्यादातर फलों में पानी की मात्रा अच्छी होती है। ठीक इसी तरह लीची में भी पानी की भरपूर मात्रा होती है। यह विटामिन सी, विटामिन बी6, नियासिन, राइबोफ्लेविन, फोलेट, तांबा, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्निशियम और मैगनीज जैसे खनिज पाए जाते हैं, यह शरीर और पेट को ठंडक देती है।

पाचन के लिए फायदेमंद

लीची में मौजूद विटामिन लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण और पाचन-प्रक्रिया के लिए जरूरी है। लीची के रस में पेक्टिन और फाइबर होता है। यह आपकी आंत को साफ करने और पेट के स्वास्थ्य में सुधार करता है। इसके अलावा, यह एसिडिटी और हार्टबर्न के खिलाफ भी काम करता है।

गले की खराश

गले में खराश या दर्द हो तो आप एक लीची खा सकते है। दरअसल, गले की शराश को कम करने में भी लीची बहुत फायदेमंद है।

ग्लोइंग त्वचा के लिए

लीची के जूस में पॉलीफेनोल, ऑलिगोनोल्स, बीटा-कैरोटीन, विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सिडेंट जैसे जैव-रासायनिक पदार्थों की प्रचुर मात्रा होती है। ये सभी एंटी-ऑक्सीडेंट डार्क सर्कल्स और पिंपल्स को दूर करने में सहायक होते हैं। इतना ही नहीं यह आपकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करने में सहायक होते है। आप अपनी त्वचा पर लीची के और केले का फेस मास्क बनाकर, इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, यह मुहासों को ठीक करने में सहायक है।

सेहत का खजाना

लीची को बतौर फल ही नहीं खाया जाता, इसका जूस और शेक भी बहुत पसंद किया जाता है। जैम, जैली, मार्मलेड, सलाद और व्यंजनों की गार्निशिंग के लिए भी लीची का इस्तेमाल किया जाता है। छोटी-सी लीची में कार्बोहाइड्रेट, विटामिन सी, विटामिन ए और बी कॉम्प्लेक्स, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, आयरन जैसे खनिज लवण पाए जाते हैं, जो इसे काफी फायदेमंद बना देते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाती है

लीची एक अच्छा ऐंटीऑक्सिडेंट भी है। लीची में बीटा कैरोटीन, नियासिन, राइबोफ्लेविन और फोलेट भरपूर होता है। यह सभी चीजें बॉडी के इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मददगार होती हैं इसमें मौजूद विटामिन सी हमारे शरीर में रक्त कोशिकाओं के निर्माण और लोहे के अवशोषण में भी मदद करता है, जो एक प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

वजन कम करने में सहायक

अगर आप बढ़ते वजन से परेशान है तो आप लीची जूस का सेवन शुरू कर दें। क्योंकि लीची फाइबर और पानी से भरी हुई है। इसमें कोई फैट नहीं होता है और कैलोरी में भी लो होता है। लीची जूस या लीची खाने से आपकी खाने की लालसा कम हो जाती है और आपको पेट भरा हुआ महसूस होता है। यदि आप वजन घटाने की कोशिश करते हैं या इच्छा रखते हैं, तो आप लीची के जूस का नियमित सेवन करें।

पेट के लिए फायदेमंद

हल्के दस्त, उल्टी, पेट की खराबी, पेट के अल्सर और आंतरिक सूजन से उबरने में लीची का सेवन फायदेमंद है। यह कब्ज या पेट में हानिकारक टॉक्सिन के प्रभाव को कम करती है। गुर्दे की पथरी से होने वाले पेट दर्द से आराम पहुंचाती है।

ऊर्जा का प्रमुख स्रोत

लीची ऊर्जा का स्रोत है। थकान और कमजोरी महसूस करने वालों के लिए लीची बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद नियासिन हमारे शरीर में ऊर्जा के लिए आवश्यक स्टेरॉयड हॉर्मोन और हीमोग्लोबिन का निर्माण करता है।

हड्डियां मजबूत बनाने में

लीची में कैल्शियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम मौजूद होते है, जो शारीरिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं और हड्डियों के लिए बहुत अच्छे हैं। लीची हड्डियों की बीमारी ऑस्टियोपोरोसिस रोकने में सहायक है।

शब्द सामर्थ्य -60

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

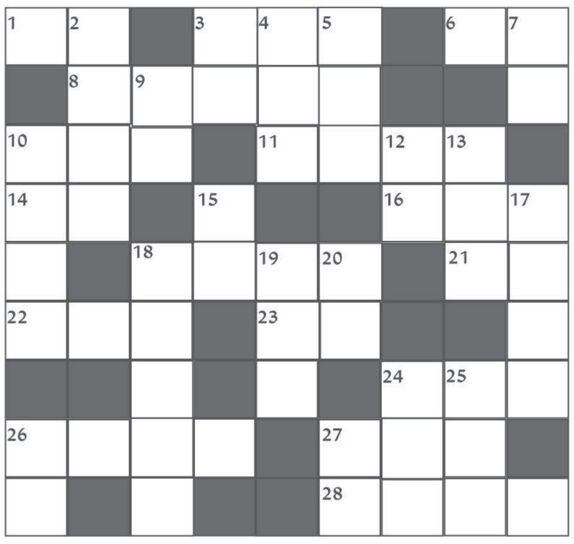

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 59 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा		म	हा	र	त
क		ह					ज	न
	जा	न	की		क	म	नी	य
		त	म	क	ना			
म			त	ह	त		दा	ब
सी	मा			ला		स	न	द
हा	थ	म	ल	ना		वा		च
		द			घा	ल	मे	ल
	ब	द	ह	वा	स			न

केके की आवाज में टेलीपोर्ट करने की शक्ति थी:अभिमन्यु दसानी

पार्श्व गायक केके के असामयिक निधन के बाद दुनिया ने उन्हें अलविदा कह दिया, बॉलीवुड अभिनेता अभिमन्यु दसानी ने अपने जीवन में गायक के महत्व के बारे में बात की और बताया कि कैसे केके में एक श्रोता को एक अलग दुनिया में टेलीपोर्ट करने की शक्ति थी। गायक और अपने शिल्प के लिए अपनी भावनाओं को साझा करते हुए, अभिमन्यु, जो अपनी आगामी फिल्म निकम्मा की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, ने कहा, कुछ दिनों पहले ही हम यारों-रॉकफोर्ड के बारे में बात कर रहे थे, यारों गाना दोस्ती के बारे में सबसे भावपूर्ण गीतों में से एक है जिसे मैं याद कर सकता हूं। केके के गायन की शक्ति के बारे में बताते हुए उन्होंने आगे कहा, केके सर की आवाज के कारण आप इसे (ट्रैक) एक कालातीत क्लासिक भी कह सकते हैं, जो आपको उन सभी भावनाओं के साथ उस दुनिया में ले जा सकता है। उन्होंने साझा किया कि केके का जाना संगीत की दुनिया के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने आगे साझा किया, लताजी, बप्पी दा, सिद्धू मूसेवाला और केके सर जैसे महत्वपूर्ण कलाकारों के नुकसान के कारण यह वर्ष हमारे संगीत प्रेमियों के लिए बहुत कठिन रहा है। एक्शन, कॉमेडी और मसाला से भरपूर, यह फिल्म अभिमन्यु को एक भयंकर एक्शन अवतार में लाती है। सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और सब्बीर खान फिल्म्स द्वारा निर्मित निकम्मा 17 जून को सिनेमाघरों में आएगी।

एसवीपी अब अमेजन प्राइम वीडियो पर व्यू के लिए उपलब्ध

महेश बाबू और कीर्ति सुरेश अभिनीत फिल्म सरकारू वारी पाटा अब अमेजन प्राइम वीडियो यूजर्स के लिए उपलब्ध है, लेकिन यह पे-पर-व्यू (पीपीवी) पर उपलब्ध है। परशुराम पेटला के निर्देशक ने अपने नाटकीय प्रदर्शन को पूरा करने से पहले ही, निर्माताओं ने ओटीटी उपयोगकर्ताओं के लिए फिल्म की स्ट्रीमिंग शुरू करने का फैसला किया है। हालांकि, उपयोगकर्ता को फिलहाल 199 रुपये का भुगतान करना होगा, जब तक कि निर्माता सभी ग्राहकों के लिए ओटीटी रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं करते। महेश बाबू और कीर्ति सुरेश अभिनीत सरकारू वारी पाटा 12 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। फिल्म में एसएस थमन का संगीत है। बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन के साथ, फिल्म महेश बाबू और उनकी टीम के लिए सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक थी। मैथरी मूवी मेकर्स, जीएमबी एंटरटेनमेंट और 14 रील्स प्लस द्वारा निर्मित इस सुपरहिट फिल्म में नादिया, समुथिरकानी, नागा बाबू, वेनेला किशोर, सुब्बाराजू, ब्रह्माजी और अन्य भी हैं।

'इत्तु सी बात' का ट्रेलर रिलीज, 17 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

'लुका छुपी' और 'मिमी' सरीखी फिल्मों के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर इस बार अपने दर्शकों के लिए कुछ अलग लेकर आए हैं। इस क्रम में उनकी आगामी फिल्म 'इत्तु सी बात' का ट्रेलर रिलीज हो गया। अदनान अली निर्देशित फिल्म एक एक रोमांटिक कॉमेडी प्रेम कहानी है। इसका निर्माण लक्ष्मण उतेकर और नरेंद्र हीरावत ने एनएच स्टूडियोज के साथ मिलकर किया है। फिल्म में भूपेंद्र जदावत, गायत्री भारद्वाज, धीरेंद्र गौतम और फरीदा जलाल अपनी मुख्य भूमिका में है। फिल्म में भूपेंद्र जदावत बिट्टू की भूमिका निभा रहे है। वहीं गायत्री भारद्वाज सपना के किरदार में है। बिट्टू सपना को बचपन से ही बहुत चाहता है, लेकिन सपना चाहती है कि उसका ब्वॉयफ्रेंड उसे आईफोन गिफ्ट करे। बिट्टू ने भी आईफोन खरीदने के लिए ठान लिया है, लेकिन आईफोन की कीमत एक लाख 31 हजार 900 रूपये है। अब इतना पैसा बिट्टू कहां से लाएंगे। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में हुई है। इस फिल्म के गानों को सिंगर जुबिन नौटियाल, टोनी कक्कड़, अरिजीत सिंह, श्रेया घोषाल और असीस कौर ने अपनी आवाज दी है जबकि विशाल मिश्र ने म्यूजिक दिया है। यह फिल्म 17 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राणा दग्गुबाती विराट पर्वम की जल्द रिलीज होने की संभावना

साउथ स्टार राणा दग्गुबाती और साईं पल्लवी अभिनीत फिल्म विराट पर्वम रिलीज के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक इस फिल्म की रिलीज की घोषणा निर्माता जल्द ही आधिकारिक तौर पर करेंगे, परंतु अभी खबरों की मानें तो फिल्म 17 जून 2022 को रिलीज हो सकती है। फिल्म की बात करें तो, ये एक क्रांतिकारी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रेम कहानी है। फिल्म, जो पिछले साल रिलीज होने वाली थी उस वक्त महामारी की दूसरी लहर के कारण रोकना पड़ा। उसके बाद भी कई सारे करणों की वजह से फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। विरता पर्वम के निर्माताओं ने फिल्म के प्रीपोनमेंट के बारे में विवरण की घोषणा करते ही फिल्म का प्रचार शुरू करने की योजना बनाई है। यह फिल्म एक ऐसी लड़की की प्रेम कहानी बताई जाती है, जिसे अपने पसंदीदा क्रांतिकारी लेखक से प्यार हो जाता है और युद्ध के बीच उनकी कहानी नीदी नदी ओके कथा के वेणु उदुगुला द्वारा निर्देशित है। प्रियामणि, नंदिता दास, निवेथा पेथुराज, प्रियामणि, ईश्वरी राव, रवि आनंद, नवीन चंद्रा, जरीना वहाब और अन्य ने इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

थ्रिलर फिल्म गुमराह में मृणाल ठाकुर ने बदला अपना लुक

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी नई आगामी थ्रिलर फिल्म गुमराह में एक उग्र महिला पुलिस वाले की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

इसके लिए अभिनेत्री ने ग्रिलिंग शारीरिक प्रशिक्षण लिया और यहां तक कि एथलीटों के साथ प्रशिक्षण भी लिया।

उसी पर विस्तार से अभिनेत्री ने एक बयान में कहा, एक प्रतिबद्ध पुलिस वाले की भूमिका निभाने के लिए, मुझे शारीरिक रूप से प्रशिक्षित होने से लेकर प्रशिक्षित एथलीटों के साथ दौड़ने के दौरान शरीर की संरचना को बनाए रखने के लिए व्यापक शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा।

बता दे यहां तक कि अभिनेत्री ने महिला पुलिसकर्मियों के मनोविज्ञान और एक महिला पुलिस अधिकारी की विश्वदृष्टि को समझने के लिए उनके साथ समय बिताया।

अभिनेत्री का आगे कहना है, मैंने एक पुलिस वाले के सार के अनुकूल होने के लिए सब कुछ करने की कोशिश की है। भूमिका के लिए मेरी तैयारी में हमारे बल की कुछ महिला पुलिसकर्मियों से बात करना और उनके साथ समय बिताना भी शामिल है ताकि उनकी दुनिया को एक बेहतर लेंस के माध्यम से समझा जा सके।

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर को आखिरी बार पारिवारिक क्रिकेट ड्रामा जर्सी में शाहिद कपूर के साथ देखा गया था, जो वर्तमान में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

फिल्म शेरदिल: द पीलीभीत सागा का इंटरस्टिंग ट्रेलर हुआ रिलीज़

पंकज त्रिपाठी की आने वाली फिल्म शेरदिल: द पीलीभीत सागा का ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। और जैसी कि उम्मीद थी, पंकज की डायलॉग डिलीवरी बहुत अच्छी है। ट्रेलर में सयानी गुप्ता करें तो उन्हें एकदम देसी लुक और लहजे में दिखाया गया है। इसके आलावा ट्रेलर में एक साधारण आदमी को एक ही समय में जंगली जानवरों और ग्रामीम मुद्दों पर हो रहे भ्रष्टाचार आदि से लड़ते हुए दिखाया गया है।

ट्रेलर में गंगाराम की कहानी (पंकज द्वारा अभिनीत) को दिखाया गया है और सयानी गुप्ता को उनकी पत्नी का किरदार निभाते हुए दिखाया गया है। गंगाराम के गांव में बाघ आ जाता है जिससे गांव वालों को अपनी जान माल यानि फसल का खतरा हो जाता है तो गंगाराम अपने गांव की ससुरक्षा के लिए बाघ से सामना करने के लिए तैयार हो जाता है और अपने जीवन को त्यागने की इच्छा रखता है ताकि उसके गांव के परिवारों को सरकारी योजना से लाभ मिल सके, जिसका वादा किया गया था कि बाघ हमले के पीड़ितों के परिवारों की सहायता की जाएगी।

जब वह अपने विनाश का इंतजार करने के लिए जंगल पहुंचता है, तो उसका सामना जिम से होता है जो एक शिकारी होता है (नीरज काबी द्वारा निबंधित, जो एक शिकारी है)। फ़िल्म में त्रिपाठी खुद की तुलना भगत सिंह से करते हैं और खुद को बलिदान करने का फैसला करते हैं, लेकिन आगे जंगल में उन्हें शिकार करने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया जाता है जहाँ वे पुलिस को बताते है की में यहां शिकार करने नहीं करवाने आया हूँ। लेकिन ट्रेलर एक संदेश के साथ कोर्ट रूम ड्रामा में बदल जाता है।

इसके अलावा, लोकप्रिय गायक केके, जिनका 31 मई को निधन हो गया, ने फिल्म शेरदिल के लिए अपना आखिरी गाना गाया है। गीत अभी भी रिलीज़ नहीं हुआ है, और केके ने कुछ महीने पहले अप्रैल में ट्रैक रिकॉर्ड किया था। 24 जून को रिलीज होने वाली फिल्म शेरदिल: द पीलीभीत सागा को श्रीजीत मुखर्जी ने लिखा और निर्देशित किया है।

विश्व सिनेमा में सर्वाधिक कमाई वाली फिल्म केजीएफ ने पूरे किए 75 दिन

भारत में इन दिनों सिनेमाघरों में दक्षिण भारतीय फिल्मों का राज चल रहा है। पिछले महीनों में प्रदर्शित हुई दक्षिण भारत की दो बड़ी फिल्मों-आरआरआर और केजीएफ-2 ने एक तरफ जहाँ कमाई के मामले में हिन्दी फिल्मों को पटखनी दी है वहीं सिनेमाघरों में रनिंग के मामले में भी उन्होंने हिन्दी फिल्मों को पीछे कर दिया है। इन दोनों फिल्मों ने सिनेमाघरों में अपने 50 दिन पूरे कर लिए हैं। निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर सिनेमाघरों में पिछली 25 मार्च को प्रदर्शित हुई थी। यह फिल्म अभी भी देश के कई सिनेमाघरों में चल रही है। आज इस फिल्म ने 75 से अधिक दिन पूरे कर लिए हैं।

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार यश की फिल्म केजीएफ 2 ने रिलीज होते ही लोगों पर गजब का जादू चलाया। जिसका नतीजा बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर साफ नजर आया है। इसके साथ ही फिल्म ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। बताते चलें कि यश की फिल्म 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने अब तक वर्ल्ड वाइड 1241.10 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है।

फिल्म केजीएफ 2 की कमाई की बात करें तो कर्नाटक में 189.50 करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में 139.50 करोड़ रुपये, तमिलनाडु में 115.50 करोड़ रुपये, केरल में 69.16 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं, हिंदी डबिंग और बाकी इंडिया में 526.60 करोड़ रुपये के साथ ओवरसीज में 201.99 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस तरह से यश की फिल्म केजीएफ 2 ने 50 दिन में कुल 1241.10 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है।

गौरतलब है कि यश की फिल्म केजीएफ 2 दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 3री भारतीय फिल्म बन गई है। केजीएफ 2 के ऊपर आमिर खान की फिल्म दंगल (2024 करोड़ रुपये) और प्रभास की फिल्म बाहुबली 2 (1810 करोड़ रुपये) हैं।

प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म केजीएफ 2 यश (रॉकी) ने लीड रोल किया है और संजय दत्त ने विलेन (अधीरा) का रोल किया है। वहीं, श्रीनिधि शेट्टी (रीना) यश की पत्नी के रोल में हैं। रवीना टंडन (रमिका सेन) प्रधानमंत्री की भूमिका में हैं। लोगों को फिल्म में रॉकी और अधीरा की फाइट खूब पसंद आई है।

स्वास्थ्य के एक नए प्रतिमान की ओर अग्रसर दुनिया

सर्बानंद सोनोवाल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2022 के आयोजन में अब बस कुछ ही दिन बाकी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को और अधिक उत्साह, भव्यता तथा दुनिया भर के लोगों, राष्ट्रों एवं राष्ट्रीयताओं की व्यापक भागीदारी के साथ मनाया जाएगा। प्राचीन विरासत वाला शहर या महलों का शहर-मैसूर, माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के प्रदर्शन का गवाह बनेगा। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की एक अनूठी विशेषता गार्जियन रिंग या दुनिया भर में उगते सूरज के साथ सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का प्रदर्शन है, जिसकी शुरुआत जापान से होगी और अलग-अलग देशों में सूर्योदय के साथ योगाभ्यास का प्रदर्शन किया जाएगा।

समृद्ध और सार्थक सांस्कृतिक विरासत वाली भूमि के रूप में भारत की पहचान एवं हैसियत पिछले अंतरराष्ट्रीय योग दिवसों की प्रेरक शक्तियों में से एक रही है और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2022 भी इसका अपवाद नहीं है। इस दिन देश भर में 75 ऐतिहासिक स्थानों पर योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा और यह बाकी दुनिया के लिए एक प्रदर्शन होगा। मुझे विश्वास है कि यह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस देश और दुनिया के सभी क्षेत्रों से जुड़े अधिक से अधिक लोगों को योग के दायरे में शामिल करेगा।

बढ़ती हुई वैश्विक स्वीकृति ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़ा एक ऐसा जन आंदोलन बना दिया है जो भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है और दुनिया को स्वास्थ्य एवं कल्याण के एक नए, व्यापक रूप से परिभाषित एवं अन्वेषित अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

योग की बहुआयामी उपलब्धियों और उसके एक सॉफ्ट पावर बनने की यात्रा 2014 में शुरू हुई जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। भारत के इस प्रस्ताव का 175 देशों ने समर्थन किया। इसके परिणामस्वरूप 21 जून 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

1 दिसंबर 2016 को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल होकर भारत द्वारा संजोयी गई इस सांस्कृतिक विरासत ने सार्वभौमिक स्वीकृति के एक और मील के पत्थर को पार कर लिया।

तब से, योग एक विश्वव्यापी परिघटना बन गया है और यह वाकई एक जन आंदोलन का स्वरूप ले रहा है। हर गुजरते साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में योग की पहुंच बढ़ती देखी गई है। इस तथ्य की पुष्टि इस बात से की जा सकती है कि वर्तमान में 192 देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है, जोकि इसे वैश्विक कल्याण का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन बनाता है। इसके अलावा, विदेशों में भारतीय मिशन और पोस्ट के माध्यम से 170 से अधिक देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दौरान दो गिनीज विश्व कीर्तिमान बनाए गए- सबसे अधिक संख्या में भाग लेने वाली राष्ट्रीयताएं (84 राष्ट्र) और एक ही स्थान पर एवं एक ही कार्यक्रम में सबसे अधिक भागीदारी (35,985 लोग)। 14 जनवरी 2022 को मकर संक्रांति के अवसर पर दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोगों ने सूर्य नमस्कार किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2021 के दौरान लगभग 15 करोड़ लोगों ने इसमें भाग लिया और इस वर्ष इस संख्या का बढ़ना निश्चित है।

भारत सरकार इस जन आंदोलन को गति देने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग के प्रचार एवं विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दो पुरस्कारों (एक अंतरराष्ट्रीय और दूसरा राष्ट्रीय) की घोषणा की। योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल भी घोषित किया गया है। इस कदम ने योग की प्राचीन परिपाटी को और आगे प्रोत्साहित किया है तथा इसके लाभों के बारे में जागरूकता फैलाई है। इन सभी प्रयासों ने सामूहिक रूप से इस देश की जनता के समक्ष एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग को अपनाने और इस प्रकार एक स्वस्थ राष्ट्र बनने के लिए एक माहौल तैयार किया है।

इस प्राचीन परंपरा के आधुनिक लाभों को जानने के लिए, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी (सीसीआरवाईएन) ने 0.79 से 13.03 तक के प्रभाव कारक के साथ पब्मेड इंडेक्स जर्नल में 113 शोध प्रकाशित किए हैं।

शोध संबंधी रुझानों को देखने से यह स्पष्ट होता है कि 2014 यानी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व के रुझानों की तुलना में अब स्पष्ट रूप से काफी बदलाव आया है। 2014 से पहले और 2015 के बाद किए गए औसत प्रकाशनों और नैदानिक परीक्षणों के आधार पर- योग से संबंधित नैदानिक परीक्षणों की संख्या में लगभग 6 गुना वृद्धि हुई है और शोध के औसत वार्षिक प्रकाशन में लगभग 11 गुना वृद्धि हुई है। ये दो प्रमुख रुझान, जोकि अकादमिक रूप से किसी विधा की गहराई को समझने के लिए उपयोग किए जाते हैं, स्पष्ट रूप से इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि चिकित्सा से जुड़े पेशेवरों और योग विशेषज्ञों की बढ़ती संख्या ने योग के अभ्यास एवं इसे अपनाने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए इसके अध्ययन पर दोबारा से अपना ध्यान और प्रयास बढ़ाया है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने सामान्य योग प्रोटोकॉल विकसित किया, जिससे दुनिया भर में सभी के लिए योग के आसान एवं मानक अभ्यास उपलब्ध हो गए। यही सामान्य योग प्रोटोकॉल वास्तव में प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दौरान किए जाने वाले प्रदर्शन के आधार हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की खूबियों को प्रौद्योगिकी के साथ जोड़कर योग की पहुंच को और अधिक मजबूत किया गया है। इसमें नमस्ते योग, वाई-ब्रेक, डब्ल्यूएचओ एम योग जैसे मोबाइल आधारित एप्लिकेशन शामिल हैं। पांच मिनट के योग प्रोटोकॉल को वाई-ब्रेक एप्लिकेशन में शामिल किया गया है और इसे काम करने वाले पेशेवरों के लिए विशेष रूप से कार्यस्थलों पर होने वाले तनाव को दूर करने, तरोताजा होने और अपने काम पर फिर से ध्यान केंद्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कदम कल्याण के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के एकीकरण का एक श्रेष्ठ उदाहरण है।

दुनिया भर में योग की अपार लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि भारत के पहले योग विश्वविद्यालय, लकुलिश योग विश्वविद्यालय में नामांकन कराने वालों की संख्या में तीन गुना वृद्धि देखी गई है। सामान्य योग प्रोटोकॉल के बारे में 1000 से अधिक विश्वविद्यालयों, 30,000 कॉलेजों और सीबीएसई से संबद्ध 24000 स्कूलों को अवगत कराया गया है। लगभग 1.25 लाख स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों (एचडब्ल्यूसीए) को समग्र स्वास्थ्य के संबंध में शिक्षा प्रदान करने का दायित्व सौंपा गया है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जीवन के सभी क्षेत्रों और वर्ग से जुड़े लोगों को योग के दायरे में शामिल करना है। पिछले अंतरराष्ट्रीय योग दिवसों के दौरान कई दिव्यांग लोगों को योग करते देखा गया। स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं योग की ओर रुख कर रही हैं। सबसे ठंडे और सबसे ऊंचे हिमालयी क्षेत्रों में, देश के सुदूर इलाकों में, सबसे व्यस्त बाजार एवं कार्यस्थलों आदि में योग किया जा रहा है। महामारी के दौरान, लाखों स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले कर्मचारियों और कोविड-19 के रोगियों ने तेजी से स्वस्थ होने के लिए योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया।

सू- दोकू क्र.60

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.59 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

कहानी बनाम हकीकत

यह नहीं कहा जा सकता कि आज भारतीय अर्थव्यवस्था में गिरावट का जो दौर है, उसके लिए सिर्फ महामारी या यूक्रेन युद्ध जैसी बाहरी घटना जिम्मेदार है। बल्कि खुद सरकार के कुछ दुस्साहसी फैसलों ने अर्थव्यवस्था का ये हाल बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ने के ठोस आंकड़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के अपने दौरे के समय कहा कि उनकी सरकार ने गरीबी घटाई है और देश को एक मजबूत अर्थव्यवस्था की तरफ ले गई है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के अपने प्रचार तंत्र और व्यापक रूप से मेनस्ट्रीम मीडिया के जरिए करोड़ों लोगों के दिमाग पर इस बात की इतनी जोरदार बमबारी की जाती रही है कि इसमें सचमुच यकीन करने वाले लोगों की कमी नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य से देश की हकीकत ऐसी नहीं है। और यह बात खुद नरेंद्र मोदी की सरकार के तहत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) के आंकड़े बता जाते हैं। ऐसा ही मंगलवार को हुआ, जब ने पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के आंकड़े जारी किए। ताजा आंकड़ों से यह सामने आया कि भारत का प्रति व्यक्ति आय अभी कोरोना महामारी की शुरुआत के वक्त की तुलना में काफी नीचे है। 2021-22 में यह रकम 91,481 रुपये रही। 2019-20 में यह रकम 94,270 रुपये थी। 2020-21 में यह गिर कर 85,110 रुपये तक चली गई थी। तो पिछले वित्त वर्ष में इसमें सुधार हुआ, लेकिन जहां तक भारत पहुंच गया था, उससे अभी भी काफी पीछे है। इसी गिरावट का परिणाम है कि दक्षिण एशिया में प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे निकल गया।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि कम से कम 2026 तक उसकी बढ़त बनी रहेगी। इन्हीं विशेषज्ञों ने अपने तुलनात्मक अध्ययन के जरिए बताया है कि भारत की बढ़त पर पहली मार नोटबंदी से पड़ी। उसके बाद भारतीय अर्थव्यवस्था कभी ठीक से संभल नहीं पाई। इस रूप में यह नहीं कहा जा सकता कि आज भारतीय अर्थव्यवस्था में गिरावट का जो दौर है, उसके लिए सिर्फ महामारी या यूक्रेन युद्ध जैसी बाहरी घटना जिम्मेदार है। बल्कि खुद वर्तमान सरकार के कुछ दुस्साहसी फैसलों ने अर्थव्यवस्था का ये हाल बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ने के ठोस आंकड़े हैं। बहरहाल, मोदी सरकार की यही विशेषता है कि वह ऐसी हकीकतों को नैरेटिव बनने से रोकने और अपनी कहानी पर अपने समर्थकों को यकीन करने के लिए लगातार प्रेरित रखने में सफल रही है।

जल्द ही जन गण मन की शूटिंग के लिए विजय देवरकोंडा के साथ जुड़ेंगी पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े, जिन्होंने हाल ही में कान्स में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी, जल्द ही जन गण मन के निर्माताओं के साथ काम करेंगी। विजय देवरकोंडा-पुरी जगन्नाथ फिल्म जन गण मन में अभिनेत्री मुख्य भूमिका निभाएंगी।

सूत्र यह भी सुझाव देते हैं कि अभिनेत्री जून के पहले सप्ताह में मुंबई में एक्शन ड्रामा की शूटिंग शुरू करेंगी। वह मुंबई में अपने दृश्यों की शूटिंग करेंगी।

पुरी जगन्नाथ सेट पर जन गण मन लाने के लिए तैयार हो रहे हैं, क्योंकि फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन चरण में है। यह फिल्म कम से कम पांच भाषाओं में बनने की उम्मीद है और इसे एक अखिल भारतीय फिल्म के रूप में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। पूजा हेगड़े, जिन्होंने कई बार असफलताओं का सामना किया है, एक हिट के लिए बेताब हैं। वह पहले विजय अभिनीत बीस्ट, प्रभास अभिनीत राधे श्याम और राम चरण अभिनीत आचार्य जैसी फ्लॉप फिल्मों में दिखाई दी थीं। पूजा हेगड़े त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म एसएसएमबी28में महेश बाबू के साथ भी अभिनय करेंगी। यह मुरारी अभिनेता के साथ पूजा का दूसरा सहयोग होगा और अरविंदा समीथा वीरा राघव और अला वैकुंठपुर्रमुलू के बाद त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उत्तराखण्ड आगमन पर जौलीग्रांट एयरपोर्ट में उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल उपस्थित थे।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगो को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने निरंजनपुर मण्डी के पास एक खाली प्लाट पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में बैठे देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 6 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल उर्फ जैकी पुत्र अनवर निवासी टर्नर रोड बताया। वहीं सहसपुर थाना पुलिस ने हिन्दूवाला पुल के पास से एक युवक को 5 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम सोयल पुत्र भूरा निवासी खुशहालपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शराब पिलाने पर ढाबा मालिक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। ढाबे पर शराब पिलाने पर पुलिस ने ढाबा मालिक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर ने होटल, ढाबों पर शराब पिलाने के खिलाफ अभियान चलाया जिसके तहत धर्मावाला के पास श्याम ढाबे पर छापा मारा गया तो वहां पर ढाबा संचालक द्वारा अपने ढाबे में शराब पिलाते हुए दिखायी दिया जिसके बाद पुलिस ने ढाबा मालिक रामपाल सिंह को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नमाज के बाद पत्थरबाजी इस्लाम...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

खास बात यह है कि देशभर में शाही इमाम सहित तमाम उलेमा और शहर काजियो ने इन घटनाओं को गलत ठहराते हुए इसे राजनीतिक षड्यंत्र बताया गया है। विदेशों तक में इस घटना की उतनी ही तीखी प्रतिक्रिया हुई है जितनी नूपुर शर्मा के बयान के बाद हुई थी। कुवैत सरकार ने तो जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन करने वाले प्रवासियों को देश से निकालने यानी उन्हें उनके देश भेज देने और फिर कभी वापस न आने देने तक के आदेश जारी कर दिए गए हैं। कुवैत सरकार का साफ कहना है कि इस तरह प्रदर्शन कुवैत में प्रतिबंधित है। यही नहीं अब सवालों के घेरे में घिरे ओवैसी जैसे नेता भी घटना से पल्ला झाड़ते हुए कह रहे हैं कि इन घटनाओं से उनका या उनकी पार्टी का कुछ लेना देना नहीं है।

राहुल की ईडी के सामने पेशी के विरोध..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

आर्य, पूर्व नेता विपक्ष प्रीतम सिंह, उप नेता विपक्ष भूवनचंद कापड़ी, महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा तथा कांग्रेस के तमाम विधायक और नेता मार्च करते हुए ईडी के कार्यालय पहुंचे। इस दौरान ईडी दफ्तर का गेट बंद होने के कारण करन माहरा सहित अन्य कई नेता दफ्तर के गेट पर चढ़ गए इस दौरान कांग्रेसी नेताओं की पुलिस के साथ झड़पें भी हुई। बाद में पुलिस ने दर्जनभर नेताओं को हिरासत में ले लिया और उन्हें पुलिस लाइन ले गई जहां से उन्हें रिहा कर दिया गया। इस मामले को लेकर भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का दौर भी जारी है।

चाकलेट बैठक में राजेन्द्र सिंह को किया सम्मानित

संवाददाता

मुनस्यारी। ग्राम पंचायत नामिक में चाकलेट बैठक कर हाईस्कूल में अधिक अंक लाने वाले राजेन्द्र सिंह कन्यारी को सम्मानित किया गया।

आज यहां सीमांत तहसील के सबसे सुदूरवर्ती एवं सड़क तथा स्वास्थ्य सुविधा से वंचित ग्राम पंचायत नामिक में राजकीय प्राथमिक विद्यालय तथा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के साथ चौकलेट बैठक की गई। इस मौके पर इस वर्ष हाईस्कूल की परीक्षा में 87.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र राजेन्द्र सिंह कन्यारी को सम्मानित किया गया। हाईस्कूल के शिक्षकों को आगे सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई। समुद्र तट से 7053 फिट की ऊंचाई पर स्थित नामिक में आज हाईस्कूल तथा प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र के छात्रों के साथ जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने चाकलेट मीटिंग की। वर्ष 2013 से आज तक के हाईस्कूल के परीक्षा परिणाम में सबसे अधिक अंक 439 प्राप्त करने वाले छात्र राजेन्द्र सिंह कन्यारी को पुष्प गुच्छ तथा माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र की माता सरस्वती देवी को भी

सम्मानित किया गया। छात्र राजेन्द्र ने अपनी सफलता के टिप्स अन्य छात्रों को दिए। कहा कि अनुशासन तथा मेहनत से किसी भी सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानाचार्य भगवान सिंह जैम्याल ने बताया कि वर्तमान में तैनात शिक्षकों की मेहनत का प्रतिफल है कि शिक्षकों के बिना राजेन्द्र ने गणित में 80, हिंदी में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। शिक्षकों के अभाव के बाद भी यहां का परीक्षा परिणाम बीते पांच वर्षों से शत् प्रतिशत परीक्षा परिणाम आ रहा है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि नामिक के बच्चों ने शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय उदाहरण दिए है, जो हमारे लिए उदाहरण है। भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक बहादुर सिंह धर्मसक्तू ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय नामिक के कक्षा पांच के छात्रों को जवाहर नवोदय तथा राजीव गांधी नवोदय विद्यालय के प्रवेश परीक्षा की तैयारी की पुस्तकें निशुल्क भेंट की। कहा कि जरुरतमंद बच्चों को मदद के लिए हर संभव मदद दी जाएगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान तुलसी देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य दमयंती देवी,शिक्षक जितेन्द्र सिंह सामंत, राजेन्द्र सिंह दानू, बलराम सिंह दानू, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक गंगा सिंह महर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती सरला देवी, सहायिका द्रोपदी देवी, प्रताप सिंह टाकुली, निर्मल सिंह भण्डारी,डिगर सिंह भण्डारी, राम सिंह, भानुली देवी, चंपा कन्यारी, कमला देवी, भगत राम, महेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कैंटर की टक्कर से छोटे हाथी में सवार 7 साल की बच्ची की मौत,4 घायल

संवाददाता

देहरादून। डीसीएम कैंटर की टक्कर से छोटा हाथी में सवार सात साल की बच्ची की मौत हो गयी जबकि चार अन्य घायल हो गये। पुलिस ने कैंटर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज थाना रायवाला पर 112 हेल्पलाइन के माध्यम से सूचना दी गयी कि मोतीचूर फ्लाईओवर रायवाला पर एक्सीडेंट मे एक बच्ची की मृत्यु हो गयी है। जिस पर थाना कार्यालय द्वारा तत्काल थानाध्यक्ष रायवाला को सूचना से अवगत कराया गया। थानाध्यक्ष द्वारा उच्चाधिकारीगणों को घटना से अवगत कराते हुए स्वयं घटनास्थल पर पंहुचे तो पाया कि मोतीचूर फ्लाई ओवर पर एक डीसीएम कैंटर द्वारा छोटे हाथी टक्कर मारकर उसमे सवार एक 07 साल की वालिका की मृत्यु व 4 अन्य लोगों को घायल कर दिया गया है। घायलो को चीता मोबाइल द्वारा मौके पर 108 एंबुलेंस बुलाकर घायल को सरकारी हास्पिटल हरिद्वार भिजवाया गया व कैंटर चालक फरीद अहमद को मौके से मय कैंटर सुरक्षा की दृष्टि से थाने पर लाया गया। बालिका के मृत शरीर को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छोटे हाथी मे सवार अन्य लोगों के बतायेनुसार मोतीचूर फ्लाईओवर पर छोटा हाथी का टायर पंचर हो जाने के कारण चालक टायर बदल रहा था,तभी हरिद्वार की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे डीसीएम कैंटर ने छोटे हाथी पर जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसमे सवार एक 07 साल की वालिका की मृत्यु व 4 अन्य लोगों को घायल हो गयऔर छोटा हाथी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। मृतका का नाम गोगो पुत्री नरेश निवासी सलेमपुर महदूद रानीपुर हरिद्वार है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चालक को गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस सेवा दल ने राजीव भवन से ईडी कार्यालय तक निकाली पदयात्रा

नगर संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस सेवादल प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा ने बताया कि आज 13 जून 2022 को कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को परेशान करने के उद्देश्य से ईडी द्वारा पूछताछ के लिए अपने दफ्तर में बुलाया गया है जिसके विरोध में कांग्रेस द्वारा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

इस अवसर पर उत्तराखंड कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष राजेश रस्तोगी प्रदेश महासचिव नीरज त्यागी द्वारा राजीव भवन राजपुर रोड से ईडी कार्यालय तक विरोध प्रदर्शन करते हुए पदयात्रा निकाली गई। इस अवसर पर सेवा दल की महानगर

अध्यक्ष सावित्री थापा व व प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा, पछ्वा दून महिला जिला अध्यक्ष हनीफा ,सुशीला देसाई , केसर बहन गुड्डी चौधरी, मंजू, हेमा पुरोहित, रेखा, राजकुमार यादव, ललित थपलियाल शाहनवाज व अन्य बहुत से सेवादल के साथियों ने सरकार के विरोध में करन माहरा के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया।

जहां इस समय पूरे देश में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। न युवाओं के लिए रोजगार है, महंगाई अपने चरम पर है, भ्रष्टाचार का चारों तरफ बोलबाला है वहीं दूसरी तरफ सरकार जनता का ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष के नेताओं को कटघरे में खड़ा कर रही है जिससे लोगों का ध्यान देश के असली समस्याओं से हट जाए हम इसका विरोध करते हैं और हमेशा ही सच्चाई की जीत हुई है।

एक नजर

गोडसे के वंशज एक बार फिर गांधी को डराने चले हैंः सुरजेवाला

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित धनशोधन मामले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। इस मौके पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे और राहुल गांधी के प्रति अपना समर्थन जताया। कांग्रेस के यहां प्रस्तावित मार्च के मद्देनजर पुलिस ने कांग्रेस प्रवक्ता सुरजेवाला सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं को

हिरासत में ले लिया और पार्टी मुख्यालय के आसपास धारा १४४ लगा दी। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद सुरजेवाला ने मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि गोडसे के वंशज एक बार फिर गांधी को डराने चले हैं, ना महात्मा गांधी डरे थे और ना उनके उत्तराधिकारी डरेंगे। सुरजेवाला ने कहा, अगर इस देश में अखबार के पत्रकारों की तनखाह देना, हाउस टैक्स देना, बिजली का बिल देना अपराध है तो हम ये अपराध बार–बार करेंगे। कांग्रेस प्रवक्ता ने हिरासत में लिए जाने की तस्वीर साझा करते हुए कहा हि कायर मोदी सरकार हमें गिरफ्तार करे और हमें आजीवन कारावास दे पर अंग्रेज भी हारा था और मोदी भी हारेगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने अपने एक ट्वीट में लिखा– कायर मोदी सरकार ने केन्द्रीय दिल्ली को छावनी में तबदील कर दिया है।

सत्येंद्र जैन को कोर्ट ने 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली । मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने स्वास्थ्य मंत्री को १४ दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले ६ जून को कोर्ट ने उन्हें १३ जून तक के लिए ईडी की हिरासत में भेजा था। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की ओर से कोर्ट में जमानत याचिका भी दायर की गई है। जिसपर मंगलवार को ११.०० बजे सुनवाई होगी। जैन को ईडी ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग के केस में ३० मई को गिरफ्तार

किया था और इसके बाद ३१ मई को ट्रायल कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को ईडी की हिरासत में भेज दिया था। गौरतलब है कि ईडी ने सत्येंद्र जैन (५७) को ३० मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था। वहीं मंगलवार को ईडी कहा था कि मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच के दौरान सत्येंद्र जैन और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ छापेमारी में २.८५ करोड़ रुपए की नकदी और सोने के १३३ सिक्के जब्त किए गए हैं।

ड्रग मामले में श्रद्धा कपूर के भाई को पुलिस ने हिरासत में लिया

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर शक्ति कपूर का बेटा और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का भाई सिद्धांत कपूर को ड्रग मामले में हिरासत में ले लिया गया है। मेडिकल जांच में ड्रग लेने की पुष्टि पुष्टि हुई है और इस मामले में उन्हें बंगलुरु के उलसुरु थाने में लाया गया है। आपको बता दें सिद्धांत कपूर एक स्टार किड

हैं। वो शक्ति कपूर के बेटे और श्रद्धा कपूर के भाई हैं। सिद्धांत ने भी फिल्मी दुनिया में अपना हाथ आजमाया था लेकिन वो अपने पिता और बहन की तरह कामयाब नहीं हुए। सिद्धांत कई फिल्मों में छोटे–मोटे रोल भी निभा चुके हैं। स्टार–किड होने के बावजूद सिद्धांत ने अपने करियर की शुरुआत बतौर डिस्क जॉकी की और बाद में हिंदी सिनेमा में बतौर असिस्टेंट निर्देशक के तौर पर हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध निर्देशकों के साथ काम करने लगें। बतौर असिस्टेंट निर्देशक सिधांत ने भूल भुल्लैया, भाग–भाग, चुप चुप के, ढोल आदि फिल्मों में काम किया। सिद्धांत ने फिल्म शूटआउट एट वडाला से डेब्यू किया, इस फिल्म में मुख्य भूमिका में अनिल कपूर, कंगना रनौत और जॉन अर्ब्राम मुख्य भूमिका में थे।

सीएम धामी ने विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को विधानसभा देहरादून में विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने पुष्कर सिंह धामी को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड की सम्पूर्ण जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि चम्पावत की देवतुल्य जनता के आशीर्वाद से उन्होंने चम्पावत विधानसभा उपचुनाव में बड़ी जीत हांसिल की। उन्होंने उत्तराखण्ड की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने उन्हें जो प्यार, स्नेह एवं आशीर्वाद दिया। उसके लिए वे प्रदेश की जनता के आभारी हैं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड राज्य को २०२५ तक देश के सर्वश्रेष्ठ राज्यों की श्रेणी में लाने के पूरे प्रयास किये जायेंगे। २०२५ में जब उत्तराखण्ड राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मनायेगा, उस समय हम हर क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने उन पर जो भरोसा जताया है, उसके अनुरूप उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए वे पूरी क्षमता एवं ऊर्जा से कार्य करेंगे। जन सहभागिता से उत्तराखण्ड का समग्र विकास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति करे, यह सबकी सामुहिक जिम्मेदारी है। प्रधामंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के धेय वाक्य सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास पर हम सब आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज उनके साथ प्रदेश के हर व्यक्ति ने प्रदेश के विकास के लिए संकल्प लिया है। यह विकल्प रहित संकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अन्त्योदय के मार्ग पर चलना है। प्रदेश की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकार च्च्सरलीकरण, समाधान, निस्तारण एवं संतुष्टिज्ज् के मंत्र पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दृष्टिपत्र/संकल्प पत्र में जनता से किये वायदों को गंभीरता से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद पहली कैबिनेट में ही हम राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आगे बढ़े। इसके लिए समिति का गठन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड आध्यात्म एवं संस्कृति का केन्द्र तो है ही, साथ ही वीरों की भूमि भी है।

जाम के झाम में फंसा पर्यटन

विशेष संवाददाता

देहरादून। जाम! जाम! जाम! जहां भी जाओ बस जाम ही जाम। बात चाहे मसूरी की हो, हरिद्वार की हो या फिर ऋषिकेश की अथवा बद्रीनाथ की हो या फिर केदारनाथ की, ओली की हो या फिर नैनीताल की। इन दिनों आप जिधर भी जाएंगे सिर्फ जाम ही जाम पाएंगे। या फिर जाम के झाम में फंसे पर्यटको की खीज और गुस्से का गुबार ही आपको देखने को मिलेगा।

●व्यवस्थाएं कम, यात्री अधिक
●सड़कों पर लंबी-लंबी लाइनें
●होटल, होमस्टे, गेस्ट हाउस फुल

दरअसल इस भीषण गर्मी के दौर में मैदानी क्षेत्र के लोगों को पहाड़ का आकर्षण यहां तक खींच लाता है। चार धाम यात्रा की बात हो या पर्यटन सीजन की, लाखों की संख्या में सैलानी और श्रद्धालु उत्तराखंड आते हैं। अभी सोमवती अमावस्या और गंगा दशहरे के अवसर पर हमने देखा कि 30 से 40 लाख के बीच श्रद्धालु और पर्यटक हरिद्वार पहुंचे। ठीक वैसा ही हाल चार धाम यात्रा का भी है। अब तक 20 लाख से अधिक लोग चार धाम यात्रा पर आ चुके हैं। सरोवर नगरी नैनीताल, हल्द्वानी और मसूरी में किस तरह से पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है। इससे इस भीड़ को नियंत्रित कर पाना पुलिस प्रशासन के लिए एक गंभीर चुनौती बना हुआ है।

न होटल और अतिथि गृह में जगह है न पार्किंग की कोई व्यवस्था। न खाने पीने का कोई सुनिश्चित इंतजाम। सड़कों पर कई-कई किलोमीटर लंबे जाम जैसे अब आम बात हो गई है। जो पर्यटक इस जाम के झाम में फंस जाते हैं उन्हें कई-कई घंटे तक बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिल पाता। ऐसे में उनकी झुंझलाहट और आक्रोश स्वाभाविक है या फिर आपसी नोकझोंक और तकरार भी आम बात है। भीड़ में वाहनों की रगड़ा-रगड़ी या फिर पार्किंग को लेकर विवाद। जिसमें कब कहां किसकी जान पर बन जाए कुछ नहीं कहा जा सकता।

पर्यटकों और चारधाम यात्रियों की मानसिक स्थिति यह तक खराब हो जाती है कि वह स्वयं से ही पूछने लगते हैं कि वह घर से बाहर निकले ही क्यों? इससे तो अच्छा था घर पर ही रहते। यात्रा का मजा उनके लिए किसी सजा जैसा हो जाता है। भले ही सूबे का शासन-प्रशासन इसे लेकर खुश हो कि रिकॉर्ड पर्यटक व श्रद्धालु आ रहे हैं लेकिन इस बार अवस्थाओं की मार झेल रहे इन पर्यटकों व श्रद्धालुओं को जिस तरह की समस्याएं झेलनी पड़ रही है वह उनकी जान पर भारी पड़ रही है। सीमित संसाधन और कम व्यवस्थाओं तथा अपार भीड़ के कारण हाहाकार मचा हुआ है। अभी 140 करोड़ है जब 160 करोड़ होंगे तब क्या स्थिति होगी? सोचनीय सवाल है।

मारपीट में पति पत्नी सहित तीन पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। कांग्रेसी नेता के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पति पत्नी सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेता प्रवीन त्यागी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने कार्यालय से निकल कर अपनी कार मे बैठकर जानेवाला था तभी एमडीडीए कालोनी निवासी बोबी गुप्ता जोकि उससे पहले से रंजीश रखता है तथा पूर्व मे भी मेरी गाडी पर टक्कर मार चुका है आज अपनी मोटर साईकिल उसके वाहन के आगे लगाकर उसका रास्ता अवरूद्ध किया तथा अपनी गाडी से आग बबुला होकर उतर कर आया और मेरी कार पर बहुत तेज हाथ मारकर बोला कि उतर नीचे आज तुझे नेता गिरी सिखाता हूँ वह अपने वाहन से उतरकर जैसे ही अपने आफिस मे पहुचा पीछे–पीछे बोबी व इसकी पत्नि प्रिती गुप्ता तथा अर्पित गुप्ता भी आ गय उसके साथ मारपीट गाली गलौच करने लगे आसपास के लोगों ने वहां पर पहुचकर बडी मुश्किल से उसको बचाया। वह लोग जाते हुए उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।